1	2	3	4
[illegible]	2	5	17
[illegible]	17	15	23
[illegible]	—	3	3
जोड़:	79	97	130

(ग) उन स्थानों से रेलपथों को पार करना अनाधिकृत प्रवेश समझा जाता है जो प्राधिकृत क्रासिंगों पर स्थित नहीं होते हैं, भारतीय रेलों पर अनेक ऊपरी पैदल पुलों/ऊपरी सड़क/निचले पुलों के अतिरिक्त लगभग 38828 समपार हैं।

(घ) किसी 137/12-13 पर समपार के निर्माण का प्रस्ताव विचाराधीन है।

ठेहना-बलियाना

यहां पर समपार के निर्माण का कोई प्रस्ताव नहीं है।

(ङ) नीति को देखते हुए रेलों द्वारा निधि मुहैया कराना आवश्यक नहीं।

(च) प्रश्न नहीं उठता।

Filling up of vacant posts in railways

2582. SHRI V. GOPALSAMY: Will the Minister of RAILWAYS be pleased to state:

(a) How many vacancies at the top level are there presently in the Railway Board and Zonal Railways, to be filled in;

(b) when each of these vacancies did occur and also the dates and the names of the post;

(c) what steps Governments have taken to fill up these vacancies;

(d) whether it is a fact that the post of General Manager, Southern Railway is lying vacant since September, 1994;

(e) whether it is also a fact that development activities have suffered greatly because of the failure of the administration to take steps in time; and

(f) whether it is also a fact that officers awaiting promotion are discontented with the callous attitude of Government; if so, what steps are being taken to streamline the administration?

THE MINISTER OF RAILWAYS (SHRI C.K. JAFFER SHARIEF): (a) 6 (Six)

(b) A statement is attached (see below)

(c) Proposals for appointments in these nosts have already been sent for approval of the competent authority.

(d) No, Sir.

(e) and (f)- No, Sir. Senior and suitable officers have been detailed to look after the current duties of these posts, pending appointment on regular basis.

S. No.	Post	Date of occurrence of Vacancy
1.	Financial Commissioner (Railways)	01.08.94
2.	General Manager Northern Railway	28.09.94
3.	General Manager North Eastern Railway	01.10.94
4.	General Manager Southern Railway	11.12.94
5.	General Manager South Central Railway	01.08.94
6.	General Manager South Eastern Railway	06.02.94

रेलवे में सेवाओं का निजीकरण

2583. श्री राघवजी: क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) रेल मंत्रालय ने 31 दिसंबर, 1994 तक किन-किन निर्माण कार्यों अथवा सेवाओं के निजीकरण का निर्णय लिया था;

(ख) इस संबंध में अब तक कितनी प्रगति हुई है; और

(ग) मंत्रालय द्वारा निकट भविष्य में और किन-किन क्षेत्रों को निजी क्षेत्रों को सौंपे जाने का विचार है?

रेल मंत्री (श्री सी॰ के॰ जाफर शरीफ): (क) रेलों ने उनकी विभिन्न आफ-लाइन गतिविधियों का निजीकरण करने का विनिश्चय किया है, इन गतिविधियों में "अपने माल डिब्बे के मालिक बनें" योजना के अंतर्गत माल डिब्बों का निजी स्वामित्व, रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यकरण/अनुरक्षण, पर्यटक गाड़ियों का स्वामित्व, विपणन और प्रबंधन आदि शामिल है, पूंजी गहन रेल परियोजनाओं के लिए निजी निवेश आकर्षित करने के लिए बनाइए, मालिक बनिए, पट्टे पर दीजिए और हस्तांतरित कीजिए" योजना भी शुरू की गई है।

(ख) "अपने माल डिब्बे के मालिक बनें" योजना के अंतर्गत पेशकशों के हिसाब से लगभग 12,000 माल डिब्बों के लिए प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं। अब तक 19 स्टेशनों पर रेलवे स्टेशनों का सौंदर्यकरण/अनुरक्षण करने के बदले विज्ञापन के एकल अधिकार दिये गये हैं। बी॰ओ॰एल॰टी॰ योजना के अंतर्गत शुरू की जाने वाले चार आयमान परिवर्तन परियोजनाओं के लिए खुली बोलियां आमंत्रित की गयी है। पर्यटक गाड़ियों के लिए प्राप्त खुली बोलियों के मूल्यांकन के आधार पर पांच पर्यटक गाड़ियां चलाने के लिए चार पार्टियों की बोलियों का चयन किया गया है।

(ग) फिलहाल कोई तत्काल प्रस्ताव नहीं है।

एशिया ब्राउन बोवेरी द्वारा विद्युत इंजनों की आपूर्ति

2584. **श्रीमती सुषमा स्वराज:**
श्री राम जेठमलानी:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि एशिया ब्राउन बोवेरी द्वारा किये गये-करार के अनुसार 6,000 अश्वशक्ति के विद्युत चालित रेल इंजनों की आपूर्ति की जा रही है;

(ख) यदि नहीं, तो यह आपूर्ति कब तक शुरू की जाएगी और क्या रेलवे ने इन आयातित इंजनों के प्रयोग का उपयुक्त प्रबंध कर लिया है;

(ग) यदि हां, तो इन इंजनों का किन-किन रेलगाड़ियों में उपयोग किया जाएगा और क्या रेलवे को इन इंजनों के प्रयोगार्थ वर्तमान की तुलना में और अधिक बिजली की आवश्यकता पड़ेगी;

(घ) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है;

(ङ) क्या एशिया ब्राउन बोवेरी के साथ हुये करार के आधार पर हमारे देश को इस इंजन से संबंधित प्रौद्योगिकी भी मिलेगी जिससे भविष्य में इन इंजनों का निर्माण देश में ही किया जाना संभव हो सकेगा; और

(च) यदि हां, तो यह प्रौद्योगिकी कब तक मिलेगी और इस प्रौद्योगिकी के उपयोग हेतु सरकार द्वारा देश में कौन-कौन सी कर्मशालाएं तैयार की गई है?

रेल मंत्री (श्री सी॰के॰ जाफ़र शरीफ़): (क) और (ख) निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार इन रेल इंजनों का लदान मई, 1995 में शुरू किया जाना है तथा अंतिम लदान नवंबर, 1996 में किया जाना है। इन रेल इंजनों का उपयोग करने के लिए आवश्यक प्रबंध किए गए हैं।

(ग) यात्री रेल इंजनों का उपयोग राजधानी/शताब्दी गाड़ियां चलाने में तथा माल रेल इंजनों का उपयोग पूर्व तथा उत्तर रेलों पर मालगाड़ियां चलाने में किया जाएगा। इन इंजनों के उपयोग के लिए अतिरिक्त बिजली की आवश्यकता नहीं है।

(घ) प्रश्न नहीं उठता।

(ङ) जी हां, भारतीय रेल, इन इंजनों का भारत में निर्माण करने के लिए ए बी बी से प्रौद्योगिकी भी प्राप्त करेगी।

(च) इन रेल इंजनों के उत्पादन के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण शुरू हो चुका है तथा चि॰ऐ॰का॰ में इन रेल इंजनों का निर्माण किए जाने तक जारी रहेगा।

रेलगाड़ियों की गति

2585. **श्री सुशील बरोंगपा:** क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अन्य एशियाई देशों की रेलगाड़ियों की तुलनात्मक गतियों सहित भारत में रेलगाड़ियों की अधिकतम गति कितनी है;

(ख) हमारा देश रेलगाड़ियों की गति, दुर्घटनाओं की रोकथाम करने और रेलयात्रियों को चोरी/डकैती और लूट से सुरक्षा देने के मामले में अन्य एशियाई देशों से पीछे क्यों है; और

(ग) देश में रेल सेवाओं में सुधार करने के लिए क्या कदम उठाए गये हैं/जाने का विचार है?